राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 352 | जौनपुर मंगलवार, 12 अगस्त 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

फतेहपुर की घटना पर विपक्ष के हंगामे के बीच चला सदन

फतेहपुर, (संवाददाता)। इससे पहले एडेड कॉलेजों के विषय विशेषज्ञों को पुरानी पेंशन देने के मामले में काफी लंबी बहस हुई। अंत में माध्यमिक शिक्षा मंत्री ने सदस्यों व अधिकारियों के साथ बैठक कर विचार करने का आश्वासन दिया। पॉलिटेक्निक की खाली सीटों का मामला निर्दल समूह के आकाश अग्रवाल ने उठाया। प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल ने कहा कि पारदर्शिता को देखते हुए प्रवेश के नियमों में बदलाव किया गया है। छात्रहित में आने वाले किसी भी सुझाव पर सरकार विचार करेगी। फतेहपुर में मकबरे में हंगामे की घटना पर कांग्रेस विधायक आराधना मिश्रा मोना ने भी सरकार की मंशा पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि घटना के सात दिन पहले एक नेता ने सोशल मीडिया पर पोस्ट की। तय समय पर घटना भी की। सारे साक्ष्य सबके सामने हैं। इसके बाद भी सरकार उस नेता को बचा रही है। भारतीय अंतरिक्ष यात्री एवं ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला बताते चलें कि करीब चार दशक बाद मानव अंतरिक्ष उड़ान के क्षेत्र में भारत ने वापसी की। एक्सिओम–4 मिशन के तहत लखनऊ के रहने वाले ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने सफलता पूर्वक अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र (आईएसएस) से धरती पर वापसी की। ग्रुप कैप्टन शुक्ला और उनकी टीम को देशभर से शुभकामनाएं मिलीं। अब यूपी विधानसभा में बधाई प्रस्ताव भी पारित किया गया है। सदन में विपक्ष के हंगामे के बीच विधायक पल्लवी पटेल मोबाइल से वीडियो बनाने लगीं। इस पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने उन्हें वीडियो न बनाने की हिदायत दी। बनाए गए वीडियो को डिलीट करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी सोशल मीडिया पर सदन का कार्यवाही का वीडियो देखा तो मैं संबंधित के खिलाफ कार्रवाई करूंगा। नेता प्रतिपक्ष के सवाल का जवाब देते हुए मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि सरकार इसका बिल्कुल समर्थन नहीं करती है। मामले में 10 लोगों के खिलाफ नामजद और 50 अज्ञात खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। सभी आरोपियों को न्यायिक प्रक्रिया के तहत दंड मिलेगा। नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने फतेहपुर में मकबरे में हुए हंगामे की घटना को लेकर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि एक पार्टी के नेता ने सात दिन पहले लोगों को आने का आह्वान किया। तय समय पर हंगामा किया। पुलिस उसको संभाल नहीं पाई। सरकार का यह मोटिव हो चुका है कि सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़े। कानून व्यवस्था के सवाल पर जवाब देते हुए मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि सैकड़ों मामलों में मिनिमम 22 दिन और अधिकतम 134 दिन के भीतर सजा हुई।

18541 करोड़ की योजनाओं को कैबिनेट की मंजूरी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में मंगलवार को तीन बड़े फैसले लिए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में 18,541 करोड़ रुपये की योजनाओं की मंजूरी दी गई। केंद्रीय मंत्रीमंडल ने देश में चार नए सेमीकंडक्टर परियोजनाओं की मंजूरी दे दी है। इन परियोजनाओं पर करीब 4,594 रुपये खर्च किए जाएंगे। ये परियोजनाएं ओडिसा, पंजाब और आंध्र प्रदेश में शुरू होंगे। कैबिनैट ने दूसरा बड़ा फैसला लखनऊ मेट्रो के बारे में लिया है। केंद्रीय कैबिनेट ने 5,801 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले लखनऊ मेट्रो के फेज वन बी परियोजना को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही सरकार ने 8,146 करोड़ की लागत वाली क्लीन ग्रोथरू टाटो–प्प हाइड्रोइलेक्ट्रिक परियोजना को मंजूरी दे दी है। यह परियोजना 700 मेगावाट बिजली पैदा करेगी। सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को केंद्रीय कैबिनेट में लिए गए इन फैसलों की जानकारी दी।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली में बाल तस्करी पर सुप्रीम कोर्ट का गंभीर बयान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली में बाल तस्करी के बेहद बड़े पैमाने पर होने का उल्लेख करते हुए, सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को केंद्र को इस समस्या पर अंकुश लगाने के लिए उठाए गए कदमों पर जल्द से जल्द एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, हम केंद्र से जानना चाहेंगे कि इस अपराध पर अंकुश लगाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं, जो आजकल दिल्ली शहर में बहुत बड़े पैमाने पर फैल रहा है। ऐसी रिपोर्ट जल्द से जल्द प्रस्तुत की जाए। साथ ही, पीठ ने यह भी कहा कि उक्त रिपोर्ट की एक प्रति न्यायमित्र अपर्णा भट्ट को उनके अवलोकन के लिए उपलब्ध कराई जाए। शुभारंभ पीठ ने दिल्ली में बाल तस्करी के मामलों की वर्तमान स्थिति के बारे में भी जानना चाहा। हमें सूचित किया गया है कि हाल ही में बाल तस्करी के अपराध में आरोपित कुछ अभियुक्तों को निचली अदालत ने रिहा किया है। हम उन जमानत आदेशों पर विचार करना चाहेंगे, पीठ ने मामले की अगली सुनवाई 18 अगस्त के लिए निर्धारित करते हुए कहा। यह देखते हुए कि स्थिति बद से बदतर होती जा रही है, सर्वोच्च न्यायालय ने 21 अप्रैल को दिल्ली पुलिस से राष्ट्रीय राजधानी में बच्चों की तस्करी के एक गिरोह के पीछे के अभियुक्त को गिरफ्तार करने के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा था। बच्चों को बेच दिया है।

भाजपा 24 अल्पसंख्यक युवा उद्यमियों को सम्मानित करेगी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा मंगलवार को अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर आयोजित एक समारोह में देश भर के 24 अल्पसंख्यक युवा उद्यमियों को डॉ. कलाम स्टार्टअप युवा पुरस्कार 2.0 प्रदान करेगा। यह कार्यक्रम, श्कलाम को सलामश अभियान का हिस्सा है और राजधानी में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, राष्ट्रीय सह–संगठन महासचिव शिव प्रकाश, केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन, उत्तर प्रदेश के राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत गौतम और अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में आयोजित किया जाएगा। जूनियर नेतृत्व और सैन्य चुनौतियों पर चर्चा की सिद्दीकी के अनुसार, यह पहल 2024 में पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की नौवीं पुण्यतिथि पर शुरू की गई थी, जो श्स्टार्टअप इंडियाश कार्यक्रम के तहत एक मजबूत स्टार्टअप इकोसिस्टम के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से प्रेरित है। इस वर्ष, 16 जुलाई से 6 अगस्त के बीच 22,300 अल्पसंख्यक युवाओं ने सोशल मीडिया के माध्यम से नामांकन प्रस्तुत किए।

प्रधानमंत्री मोदी और जेपी नड्डा एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार का चयन करेंगे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा मंगलवार को उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के उम्मीदवार का चयन करेंगे। नई दिल्ली में गुरुवार को एनडीए नेताओं की एक उच्च स्तरीय बैठक के बाद यह घोषणा की गई थी। इस बैठक की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की। इसमें प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा अध्यक्ष नड्डा को अधिकृत करने का प्रस्ताव पास किया गया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बैठक के बाद मीडिया को बताया कि प्रधानमंत्री और भाजपा अध्यक्ष जिस भी उम्मीदवार का चुनाव करेंगे, उसे एनडीए के सभी सहयोगी दलों का समर्थन मिलेगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, शिवसेना के श्रीकांत शिंदे, लोक जनशक्ति पार्टी के चिराग पासवान, टीडीपी के लवू कृष्ण देवरायलु और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के रामदास अठावले भी बैठक में शामिल हुए। शिवसेना नेता और महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने बुधवार को ही भाजपा के उम्मीदवार को बिना शर्त समर्थन देने की घोषणा कर दी थी। 28 वर्षीय राजस्व अधिकारी और उसके दो दोस्तों की हत्या एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की आधिकारिक घोषणा मंगलवार को होने की उम्मीद है, जो नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 अगस्त से पहले है।

लोकसभा ने नया आयकर विधेयक मात्र 3 मिनट में पारित कर दिया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। व्यक्तियों और निगमों के लिए आयकर संबंधी 63 साल पुराने कानून को बदलने के लिए एक प्रमुख विधायी कदम दृ सोमवार को लोकसभा में बिना किसी बहस के केवल तीन मिनट में पारित हो गया। यह विधेयक, जो टीडीएस, छूट और अन्य अनुपालन–भारी प्रावधानों को सुव्यवस्थित करता है और साथ ही व्यक्तियों को देरी से दाखिल करने पर बिना किसी दंड के रिफंड का दावा करने की अनुमति देता है, बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में अनियमितताओं के आरोपों को लेकर विपक्षी दलों द्वारा कार्यवाही में बाधा डालने के बावजूद पारित हुआ। वकील ने पत्र लिखकर की कार्रवाई की मांग वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, जिन्होंने फरवरी में पेश किए गए आयकर विधेयक, 2025 को 8 अगस्त को वापस ले लिया था, ने सोमवार को एक अद्यतन संस्करण पेश किया जिसमें एक संसदीय पैनल द्वारा की गई सिफारिशों को शामिल किया गया था जिसने इस कानून की जाँच की थी। विपक्ष के हंगामे के बीच, विधेयक पर मतदान हुआ और ध्वनि मत से पारित हो गया। यह विधेयक अब अनुमोदन के लिए राज्यसभा और उसके बाद राष्ट्रपति के पास मंजूरी के लिए जाएगा। राष्ट्रपति की स्वीकृति मिलते ही यह कानून बन जाएगा। जलभराव नया विधेयक मौजूदा आयकर अधिनियम के आकार और जटिलता को कम करता है, प्रभावी धाराओं और अध्यायों की संख्या में भारी कटौती करता है और शब्दों की संख्या को लगभग आधा कर देता है। आयकर (संख्या 2) विधेयक के उद्देश्यों और कारणों के विवरण में कहा गया है, ष्प्रवर समिति की लगभग सभी सिफारिशों को सरकार ने स्वीकार कर लिया है। इसके अलावा, हितधारकों से ऐसे बदलावों के बारे में सुझाव प्राप्त हुए हैं जो प्रस्तावित कानूनी अर्थ को और अधिक सटीक रूप से व्यक्त करेंगे। वर्ष और पिछले वर्ष की भ्रामक अवधारणाओं को दूर करता है और उनकी जगह आसानी से समझ में आने वाले श्कर वर्षश को शामिल करता है। संशोधित विधेयक के अनुसार, व्यक्तियों को टीडीएस रिफंड का दावा करने की अनुमति होगी, भले ही उनकी आयकर रिटर्न मूल आयकर रिटर्न दाखिल करने के लिए निर्धारित वैधानिक समय–सीमा के बाद दाखिल की गई हो। इस प्रकार, वित्त मंत्रालय ने मौजूदा आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों को शामिल कर लिया है। किसी भी वित्तीय संस्थान द्वारा वित्तपोषित शिक्षा उद्देश्यों के लिए उदारीकृत प्रेषण योजना (एलआरएस) के तहत किए गए ।

एफएसएल ने केजरीवाल सहित अन्य के खिलाफ सार्वजनिक संपत्ति का नुकसान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। फोरेंसिक साइंस लैबोरेटरी (एफएसएल) ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और दो अन्य के खिलाफ सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचाने के एक मामले में एक सीडी की रिपोर्ट दिल्ली की एक अदालत में पेश की। सीलबंद रिपोर्ट अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) के समक्ष पेश की गई, जिन्होंने इसे रिकॉर्ड में लिया और निर्देश दिया कि एक अतिरिक्त प्रति जाँच अधिकारी (आईओ) को सौंपी जाए। अदालत ने आईओ को जाँच पूरी करने का भी निर्देश दिया और मामले को आगे की कार्यवाही के लिए 27 अगस्त की तारीख तय की। सोमवार को सुनवाई के दौरान एक एफएसएल अधिकारी मौजूद थे। यह रिपोर्ट अदालत के 10 जून के आदेश के बाद आई है, जिसमें एफएसएल निदेशक को पहले के निर्देशों के बावजूद निष्कर्ष दाखिल करने में विफल रहने के लिए तलब किया गया था। 23 मई को, अदालत ने विशेष रूप से एफएसएल को सीडी की जाँच करने और अपनी विशेषज्ञ राय देने के लिए कहा था। सरकार को इस मामले को गंभीरता से लेना चाहिएष इस मामले में दर्ज प्राथमिकी में केजरीवाल, पूर्व विधायक गुलाब सिंह और एमसीडी पार्षद नितिका शर्मा का नाम है। यह 2019 में दिल्ली के द्वारका इलाके में सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचाने के आरोप में दर्ज एक शिकायत पर आधारित है। केस रिकॉर्ड के अनुसार, दिल्ली पुलिस ने 23 मई को अदालत को सूचित किया था कि सीडी को विश्लेषण के लिए एफएसएल को भेज दिया गया था और परिणामों की प्रतीक्षा की जा रही थी। 8 मई को, अदालत ने सीडी को, जिसमें तस्वीरें थीं, धारा 65–बी प्रमाणपत्र के साथ जारी किया था, ताकि इसे जांच के लिए भेजा जा सके। शिकायतकर्ता ने पहले अदालत को बताया था कि वह खुद तस्वीरें उपलब्ध नहीं करा सकता। कार्यवाही 11 मार्च, 2024 की है, जब अदालत ने शिव कुमार सक्सेना की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए।

जस्टिस वर्मा के खिलाफ लोकसभा में महाभियोग प्रस्ताव मंजूर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कैश कांड मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ लोकसभा में स्पीकर ओम बिड़ला ने मंगलवार को महाभियोग प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी। स्पीकर ने कहा, श्मुझे रविशंकर प्रसाद और विपक्ष के नेता समेत कुल 146 सदस्यों के हस्ताक्षर से प्रस्ताव मिला है। उन्होंने बताया कि इस प्रस्ताव में इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा को पद से हटाने के लिए मांग है। स्पीकर ने जांच के लिए 3 सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। इसमें सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट 1–1 जज और 1 कानूनविद शामिल हैं। जांच समिति की रिपोर्ट आने तक यह महाभियोग प्रस्ताव लंबित रहेगा। राजस्व अधिकारी और उसके दो दोस्तों की हत्या श्हमने न्यायाधीश जांच अधिनियम के प्रावधानों का अध्ययन किया है। हमने सुप्रीम कोर्ट के घोषित कानूनों के साथ–साथ कई अन्य फैसलों की जानकारी भी

रखी है। सुप्रीम कोर्ट ने शिकायत को गंभीर प्रकृति का पाया है। इनहाउस प्रक्रिया का पालन किया। ने इस मामले पर विचार करने के बाद जस्टिस वर्मा की प्रतिक्रिया और दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की प्रतिक्रिया पर राय बनाई कि इस पर गहन जांच जरूरी है। इसलिए एक 3 सदस्यों वाली कमेटी बनाई गई।श श्हमें याद है कि तत्कालीन ब्श्रप् ने यह रिपोर्ट पीएम और राष्ट्रपति को भेजी है। यह भी कहा है कि इस केस में पूर्व प्रावधानों के अनुसार काम किया है। समिति की रिपोर्ट में आरोप इस प्रकृति के हैं कि जस्टिस वर्मा को हटाने की कार्रवाई शुरू करने की जरूरत है। वकील ने पत्र लिखकर की कार्रवाई की मांग श्स्वतंत्र जांच के बाद हमें यह पता चला है कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 124 के तहत जज को हटाने की प्रक्रिया नियमों के अनुसार शुरू की जानी चाहिए।

आवारा कुत्तों को हटाने के फैसले पर बोले राहुल गांधी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को दिल्ली–एनसीआर क्षेत्र से सभी आवारा कुत्तों को हटाने के सुप्रीम

कोर्ट के निर्देश पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे दशकों की मानवीय, विज्ञान समर्थित नीति से एक कदम पीछे बताया। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि पशु ऐसी समस्या नहीं हैं जिन्हें समाप्त किया जा सके और उन्होंने अधिकारियों से आग्रह किया कि वे क्रूरता के बिना सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आश्रय, नसबंदी, टीकाकरण और सामुदायिक देखभाल को अपनाएं। एक्स पर एक पोस्ट में राहुल ने लिखा कि दिल्ली–एनसीआर से सभी आवारा कुत्तों को हटाने का सुप्रीम कोर्ट का निर्देश दशकों से चली आ रही मानवीय और विज्ञान–समर्थित नीति से एक कदम पीछे है। ये बेजुबान आत्माएँ कोई समस्या नहीं हैं जिन्हें मिटाया जा सके। पोस्ट में आगे लिखा था, ष्आश्रय स्थल, नसबंदी, टीकाकरण और सामुदायिक देखभाल सड़कों को बिना किसी क्रूरता के सुरक्षित रख सकते हैं। कंबल हटाना क्रूर, अदूरदर्शी है और हमारी करुणा को खत्म करता है। हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि जन सुरक्षा और पशु कल्याण साथ–साथ चलें। दिल्ली–एनसीआर से आठ हफ्तों के भीतर सभी आवारा कुत्तों को हटाने के सुप्रीम कोर्ट के हालिया निर्देश पर जनता की राय में तीखा मतभेद पैदा हो गया है। जहाँ कुछ लोगों ने इस कदम का ष्साहतष बताकर स्वागत किया है, ।

प्रियंका गांधी के किस पोस्ट को लेकर भड़के इजरायली राजदूत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत में इजराइल के राजदूत रूवेन अजार ने मंगलवार को कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी पर निशाना साधा। प्रियंका गांधी ने कांग्रेस सांसद की उस पोस्ट को लेकर एक्स (ग) पोस्ट की जिसमें इजराइली शासन द्वारा फिलिस्तीन में नरसंहार और चल रहे संघर्ष के दौरान गाजा में लाखों लोगों के भूखे मरने का खतरा होने का दावा किया गया था। उन्होंने पोस्ट में लिखा, ष्इजराइली राज्य नरसंहार कर रहा है। उसने 60,000 से ज्यादा लोगों की हत्या की है, जिनमें 18,430 बच्चे थे। उसने सैकड़ों लोगों को भूख से मार डाला है, जिनमें कई बच्चे भी शामिल हैं और लाखों लोगों के भूखे मरने का खतरा है प्रियंका गांधी ने आगे कहा कि चुप्पी और निष्क्रियता से इन अपराधों को बढ़ावा देना अपने आप में एक अपराध है। यह शर्मनाक है कि भारत सरकार चुप है जबकि इजराइल फिलिस्तीन के लोगों पर यह तबाही मचा रहा है। प्रियंका

की टिप्पणी पर कड़ा पलटवार करते हुए, अजार ने कांग्रेस नेता के शर्मनाक धोखे की निंदा की। उन्होंने कहा कि शर्मनाक आपकी गलतबयानी है। इजराइल ने 25,000 हमास आतंकवादियोंष को मार गिराया है, और लोगों की जान का नुकसान इस फिलिस्तीनी संगठन द्वारा नागरिकों के पीछे छिपकर उन लोगों पर गोली चलाने से हुआ है जिन्हें निकाला जा रहा है या सहायता प्राप्त करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि इजराइल ने अब तक गाजा में 20 लाख टन भोजन पहुँचाया है, जबकि हमास ने भूखमरी पैदा करने के लिए उसे अवैध रूप से रोक रखा है। दूत ने प्रियंका से हमास के आंकड़ों पर विश्वास न करने को कहा और कहा कि पिछले 50 वर्षों में गाजा की जनसंख्या 450 प्रतिशत बढ़ गई है। उन्होंने आगे कहा कि शर्मनाक बात तो आपकी धोखेबाजी है। इजराइल ने 25,000 हमास आतंकवादियों को मार गिराया। मानव जीवन की भयानक कीमत हमास की नागरिकों के पीछे छिपने की घिनौनी रणनीति, पलायन करने या सहायता प्राप्त करने की कोशिश कर रहे लोगों पर गोलीबारी और रॉकेट हमलों के कारण हुई है। इजराइल ने गाजा में 20 लाख टन भोजन पहुँचाया, जबकि हमास उसे जब्त करने की कोशिश कर रहा है, जिससे भुखमरी पैदा हो रही है।

संपादकीय

मुनाफे की चिकित्सा-शिक्षा

हाल के वर्षों में शिक्षा और चिकित्सा का जिस तेजी से बाजारीकरण हुआ है, उसने आम आदमी को बदहाली के कगार पर पहुंचाया है। महंगी शिक्षा ने जहां अभिभावकों का बजट हिला दिया है, वहीं चिकित्सा के नाम पर मुनाफाखोरी ने लाखों परिवारों को गरीबी के दलदल में ध ाकेल दिया है। इस मर्ज की रग पर हाथ रखते हुए आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत द्वारा दी गई चेतावनी सत्ताधीशों की आंख खोलने वाली है। इंदौर में एक किफायती कैंसर देखभाल केंद्र का उद्घाटन करते हुए भागवत ने चेताया कि भारत में स्वास्थ्य-शिक्षा को सामाजिक दायित्व मानने की परंपरा रही है। दुर्भाग्य से आज स्कूल-कॉलेज और अस्पताल लाभ संचालित उपक्रमों में तब्दील हो गए हैं। मुनाफाखोरी की अंतहीन लिप्सा ने कथित गुणवत्ता वाले स्कूलों व अस्पतालों को आम आदमी की पहुंच से दूर किया है। उन्होंने कॉर्पोरेट शैली के कथित कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व यानी सीएसआर के जुमले के बजाय लोककल्याण के धार्मिक सिद्धांतों के अनुसरण की अपील की। निस्संदेह,यह चिंता हमारे समय की विसंगतियों पर तीखा प्रहार करती है। आज आम भारतीय परिवारों पर स्वास्थ्य सेवाओं का भारी वित्तीय बोझ बढ़ रहा है। विडंबना यह है कि इस खर्च का छोटा हिस्सा ही सरकारी खजाने से वहन किया जाता है, जो कि स्वास्थ्य खर्च का महज 17 फीसदी है। वहीं करीब 82 फीसदी स्वास्थ्य खर्च लोगों को मुश्किल हालात में वहन करना पड़ता है। इन स्थितियों के चलते अस्पताल में भर्ती होने के बाद कई परिवार जीवन भर के लिये कर्ज में डूब जाते हैं। तो कई परिवार हमेशा के लिये गरीबी की दलदल में धंस जाते हैं। आज देश की बड़ी आबादी गैर संक्रामक रोगों, मसलन हृदय रोग,मधुमेह व उच्च रक्तचाप आदि से जूझ रही है। इनकी जांच, चिकित्सकीय परामर्श और उपचार के लिये मरीजों को एक बड़ी रकम चुकाने को मजबूर होना पड़ता है। जो कि बीमा योजनाओं के द्वारा बमुश्किल ही पूरी की जाती है। कमोबेश, शिक्षा की भी यही स्थिति है। सरस्वती के मंदिर आज व्यापार के केंद्र बन गये हैं। अभिभावकों को उल्टे उस्तरे से मूंडने के लिये नये-नये तौर-तरीके निकाले जा रहे हैं। ट्यूशन फीस ही नहीं, एडमिशन फीस, बिल्डिंग फीस, ट्रांसपोर्ट जैसे तमाम मदों के नाम पर अभिभावकों का दोहन किया जाता है। इतना ही नहीं किताबें व ड्रेस तक शिक्षण संस्थानों की हिस्सेदारी वाली दुकानों से खरीदने को बाध्य किया जाता है। यहां तक कि आम शहरों में, माता-पिता प्रति बच्चे पर सालाना साठ हजार से भी ज्यादा खर्च कर रहे हैं। कुछ अभिभावक तो अपनी आय का लगभग आधा हिस्सा ट्यूशन और शिक्षा से जुड़े मदों पर खर्च कर रहे हैं। पिछले दिनों तब जनाक्रोश चरम पर नजर आया जब हैदराबाद के एक स्कूल में नर्सरी में दाखिले की सालाना फीस ढाई लाख रुपये बतायी गई। जिससे अभिभावकों में भारी रोष व्याप्त हो गया। जिसके बाद महंगी होती शिक्षा को लेकर नई बहस छिड़ गई। निस्संदेह, बढ़ती फीस के ये आंकड़े शिक्षा के बढ़ते व्यवसायीकरण को भी रेखांकित करते हैं। ऐसे में भागवत की हालिया अपील सत्ताधीशों को नीतिगत बदलावों के बारे में सोचने को विवश कर सकती है। इसमें दो राय नहीं कि शिक्षा हो या स्वास्थ्य, इसे आम आदमी की सामर्थ्य और सेवा भावना के अनुरूप होना चाहिए।

घरेलू मांग की मजबूती से होगा मुकाबला

दीपक

निरूसंदेह, भारत के पास दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी, सबसे बड़ा लोकतंत्र, स्टार्टअप्स, इनोवेशन और रिसर्च का इकोसिस्टम, सबसे तेजी से बढ़ता बाजार और विनिर्माण सेवा क्षेत्र की ऊंचाइयां ऐसी शक्तियां हैं, जो दुनिया के देशों को भारत के साथ व्यापार बढ़ाने के लिए प्रेरित कर रही हैं। हाल ही में प्रकाशित मॉर्गन स्टैनली रिसर्च के एक विश्लेषण में कहा गया है कि अमेरिका द्वारा भारत से निर्यात पर 50 फीसदी टैरिफ लागू किए जाने से विकास दर घटकर 6 फीसदी तक सिमट सकती है। हकीकत है कि मजबूत

घरेलू मांग और सेवा क्षेत्र की ताकत के दम पर भारत अमेरिकी टैरिफ के दबाव को झेल लेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि घरेलू वृद्धि को सहारा देने के लिए नीतिगत समर्थन बढ़ाया जाना जरूरी होगा। वस्तुतः वित्त वर्ष 2024-25 में भारत से अमेरिका को कुल 86.5 अरब डॉलर का निर्यात हुआ, जो जीडीपी का 2.2 फीसदी है। ट्रंप टैरिफ की वजह से भारत के वस्तु निर्यात में करीब 30 अरब डॉलर की कमी आने की आशंका रहेगी। ऐसे में अमेरिका को निर्यात बाधित होने से भारत के द्वारा निर्यात और विकास दर बढ़ाने के लिए जहां घरेलू खपत बढ़ाने पर जोर देना होगा, वहीं निर्यात के नए बाजार तलाशने की रणनीति पर भी आगे बढ़ना होगा। हाल ही में आईएमएफ ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की विकास दर 6.4 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है। यह भी कहा गया है कि भारत की विकास दर वैश्विक अर्थव्यवस्था की विकास दर से दो गुना से भी अधिक रहने का अनुमान है। इसी तरह दुनिया की प्रसिद्ध रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि भारत में घरेलू खपत में सुधार, रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन, बेहतर मानसून, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी, महंगाई में कमी, सस्ते कर्ज और अन्य सेक्टरों में सकारात्मक संकेतों के चलते इस वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत की विकास दर 6.4 प्रतिशत के स्तर पर होगी। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योगमंत्री ने लोकसभा में कहा कि वैश्विक संस्थाएं भारत को ग्लोबल इकोनॉमी का उज्ज्वल केंद्र मानती हैं। अमेरिका द्वारा जो टैरिफ लगाए गए हैं, उनके मद्देनजर सरकार किसान, निर्यातकों और उद्योगों के हितों की रक्षा करेगी। अर्थ विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की चुनौतियों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में तेज विकास के लिए आर्थिक, वित्तीय, श्रम और कृषि सुधारों को तेजी से लागू करने की डगर पर तेजी से आगे बढ़ना भी जरूरी है। गौरतलब है कि हाल ही में प्रकाशित आंकड़ों के मुताबिक खुदरा महंगाई घटने से भी घरेलू बाजार में खपत को बढ़ावा मिल रहा है। सस्ते कर्ज से उद्योग-कारोबार में भारी उत्साह है। कृषि क्षेत्र में रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन, मानसून की अच्छी प्रगति, पर्याप्त जलाशय स्तर और मजबूत खरीफ बुवाई का सुकूनदेह परिदृश्य दिखाई दे रहा है। निरूसंदेह, भारत के पास दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी, सबसे बड़ा लोकतंत्र, स्टार्टअप्स, इनोवेशन और रिसर्च का इकोसिस्टम, सबसे तेजी से बढ़ता बाजार और विनिर्माण सेवा क्षेत्र की ऊंचाइयां ऐसी शक्तियां हैं, जो दुनिया के देशों को भारत के साथ व्यापार बढ़ाने के लिए प्रेरित कर रही हैं। उल्लेखनीय है कि भारत में खुदरा महंगाई दर जून, 2025 में घटकर 2.1 प्रतिशत पर आ गई है। जहां महंगाई में तेज गिरावट अर्थव्यवस्था के लिए लाभप्रद है, वहीं भारत में सस्ते कर्ज से भी घरेलू उपचार में खपत और आर्थिक रफ्तार बढ़ेगी। विगत 6 जून को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा पेश करते हुए रेपो रेट में 50 आधार अंकों यानी 0.50 प्रतिशत की कटौती का ऐलान किया है। इस वर्ष 2025 में फरवरी से अब तक लगातार तीसरी बार रेपो रेट में कटौती हुई है। इसके साथ ही रिजर्व बैंक ने नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में भी एक प्रतिशत की बड़ी कटौती करते हुए इसे तीन प्रतिशत के स्तर पर ला दिया है। रिजर्व बैंक ने रेपो रेट और सीआरआर में बड़ी कटौती करके तेज विकास की जरूरत और महंगाई के बीच बुद्धिमतापूर्ण समीकरण स्थापित किया है। यह बात महत्वपूर्ण है कि रिकॉर्ड कृषि उत्पादन और अच्छा मानसून भी अर्थव्यवस्था की गतिशीलता और घरेलू खपत बढ़ने के मद्देनजर सुकूनदेह हैं। केंद्रीय कृषि मंत्रालय द्वारा 2024-25 फसल वर्ष के लिए जारी तीसरे अग्रिम अनुमान के मुताबिक देश में खाद्यान्न का रिकॉर्ड उत्पादन 35.39 करोड़ टन होगा। इस समय वैश्विक व्यापार और वैश्विक निर्यात में कमी आ रही है, तब भारत के द्विपक्षीय और मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के दम पर भारत के निर्यात और निवेश बढ़ रहे है। निश्चित रूप से भारत के मुक्त व्यापार समझौते भारत की वैश्विक व्यापार उपस्थिति को नया रूप देते दिखाई दे रहे हैं।

देश में जरूरी सद्भाव की सोच का सम्मान

राकेश

खेल में जीत के लिए निजी कौशल के साथ टीम भावना आवश्यक होती है। सोहार्द व एकजुटता यादगार भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज में देखने को मिली। जिसका प्रतीक था, प्रसिद्ध कृष्णा , मोहम्मद सिराज और शुभमन गिल जीत के बाद साथ-साथ चलना। इसमें मोहम्मद सिराज का प्रदर्शन और जज्बा काबिले तारीफ हैं। हम साथ खेल सकते हैं, दुख-सुख बांट सकते हैं तो रह भी सकते हैं। ऐसा कम ही होता है कि कोई खेल प्रतियोगिता जिंदगी भर याद रखने योग्य आयोजन में बदल जाए, और एक ऐसी प्रासंगिकता और संदर्भ प्रदान कर दे जो जनता का मनोरंजन करने में उत्कृष्टता पाने के मूल उद्देश्य से परे निकल जाए। जॉर्ज ऑरवेल की सारगर्भित लेकिन गहन टिप्पणी : 'बिना गोलीबारी का युद्ध' अब एक घिसी-पिटी सूक्ति बन चुकी है, जिसका उपयोग तब किया जाता है जब प्रतिस्पर्धी दो देशों के बीच तनातनी हो और जिसमें तथाकथित 'राष्ट्रीय गौरव' दांव पर लगा हो। यदि हम आपको एक ऐसे युद्धक्षेत्र में नहीं हरा सकते, जिसमें हर तरफ खून-खराबा हो, तो ऐसी लड़ाई में हराना चाहेंगे जो आपकी शारीरिक क्षमताओं को चुनौती देने के लिए डिजाइन किए गए औजारों और उस खेल के विशिष्ट कौशल प्रशिक्षण के दम पर लड़ी जाएगी। खेल और युद्ध के बीच इस काफी जायज एवं विचारोत्तेजक समरूपता की खोज करते वक्त, हम खेल के एक अन्य बहुत बुनियादी पहलू को भूल जाते हैं। वो यह कि एक टीम के रूप में काम करने के लिए, वह जो जीत का लक्ष्य सफलतापूर्वक प्राप्त कर ले, आपको निजी कौशल के साथ-साथ टीम भावना की भी उतनी ही आवश्यकता होती है, बार-बार दोहराया जाने वाला यह शब्द वास्तव में जीत और हार के बीच अंतर बना देता है। सामंजस्य,

सद्भाव, एकजुटता और एक इकाई के रूप में खेलना, ये शब्द उस कट्टर संशयवादी को गूढ़ लग सकते हैं, जो एक ऐसी दुनिया में रमा हुआ है, जिसको वह केवल अपनी, अपनी संस्कृति और धर्म के लिए ही बनी मानता है। हालांकि, वास्तविक दुनिया में, चाहे वह खेल का मैदान हो या जीवन को कोई भी क्षेत्र, हमारा वजूद इसलिए है क्योंकि हम साथ-साथ रहते हैं और एक-दूजे पर किसी पहचान विशेष का चिन्ह देखकर नहीं, बल्कि इंसान के तौर पर निर्भर हैं। एकजुटता, सामंजस्य और सद्भाव की इस भावना को क्रिकेट जैसे खेल से ज्यादा बेहतर और कोई नहीं दर्शाता, और यह हमें हालिया भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज में देखने को मिली, जो खेल जगत का अस्तित्व कायम रहने तक याद रखी जाएगी। गोलीबारी विहीन इस 'युद्ध' में, जहां ऋषभ पंत पैर में फ्रैक्चर के बावजूद बल्लेबाजी करने उतरे वहीं क्रिस वोक्स ने स्वेटर के तले अपने उतरे हुए कंधे को बांध कर, एक हाथ में बल्ला पकड़कर खेलने की हिम्मत दिखाई। कहा जाए तो, यह दोनों अपनी-अपनी टीमों के लिए मर-मिटने को तैयार थे। अत्यधिक शारीरिक दमखम की मांग करने वाली इस 25 दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता में, एक शख्स, मोहम्मद सिराज, अपनी अद्भुत ऊर्जा, सहनशक्ति, लचीलेपन, दृढ़ संकल्प, आत्मविश्वास, अद्भुत कौशल एवं अपनी खेल कला पर नियंत्रण की वजह से सबसे अलग नजर आए। जब भी भारत को स्थिति पर काबू बनाने की जरूरत होती, वह मौजूद थे। जब भी भारत को विकेटों की जरूरत होती, वह मौजूद थे। जब भी भारत को किसी जादू की जरूरत होती, वह मौजूद थे। तेज गेंदबाजी करने के लिए ताकत चाहिए होती है। और इस गति पर गेंद को स्विंग करने के लिए कौशल। लाइन और लेंथ पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए सालों-साल के अभ्यास की जरूरत होती है। और इन 25 दिनों में, जब आपके साथी ड्रेसिंग रूम में अपना-अपना शरीर संभालने को मजबूर थे, कुछ की हड्डियां चटखी पड़ी हों और कुछ की मांसपेशियों में खिंचाव हो, तब सिराज 'वन मैन आर्मी' की तरह खड़े रहे, अपनी पीठ और अपने विरोधियों की इच्छाशक्ति को झुकाते हुए। दो शृंखलाओं को परिभाषित करने वाली छवियों का केंद्र बिंदु बनने के लिए कुछ असाधारण और अलग होना जरूरी है – एक निराशा भरी और दूसरी उत्साहजनक खुशी से लबरेज। लॉर्ड्स के मैदान का वह दृश्य जब आउट होने के बाद सिराज घुटनों के बल बैठे हुए, नजरें जमीन पर गड़ी हुई, हाथ में बल्ला, चेहरे पर मायूसी, और पीछे विकेट पर से गिल्ली उड़ी हुई। यह हार विनाशकारी थी ।

..... विविध .....

बरसात में हेल्दी व स्मार्ट नाश्ते

युवाओं का मन बारिश के मौसम में कुछ चटपटा खाने को करता ही है। दरअसल नाश्ते के समय वे तला-भुना खाना एंजॉय करते हैं। लेकिन सुबह-शाम उनकी जरूरत हेल्दी व स्मार्ट ब्रेकफास्ट की होती है। इसकी वजह व्यस्तता भी है। दरअसल स्वास्थ्यवर्द्धक व स्वादिष्ट नाश्ते के कई विकल्प मौजूद हैं जो आसानी से तैयार भी हो जाते हैं। बारिश के मौसम में युवा अकसर तली-भुनी चीजों की ओर आकर्षित होते हैं जैसे पकौड़े, समोसे, फ्राइड मैगी आदि। लेकिन अगर इस मौसम में वे सुबह और शाम के नाश्तों के लिए हेल्दी विकल्प चुनें, तो इसमें उन्हें बढ़िया स्वाद तो मिलेगा ही, उनकी सेहत भी सुरक्षित रहेगी। जानिये ऐसे स्मार्ट और हेल्दी नाश्ते क्या-क्या हो सकते हैं-

स्प्राउट भेल

भेल प्रोटीन, फाइबर और मिनरल्स से भरपूर व फायदेमंद नाश्ता है। यह स्मार्ट तरीका भी है यानी इसे बनाना बहुत आसान है। अंकुरित मूंग या चना, टमाटर, प्याज, नींबू और भुनी मूंगफली को साथ में मिक्स करें साथ ही इसमें चाट मसाला मिलाएं और शौक से खाएं। स्वाद का स्वाद मिलेगा और सेहत के लिए भरपूर, हेल्दी कॉम्बिनेशन भी मिलेगा।

सूप और टोस्ट ब्रेड

ये नाश्ता विशेषकर इवनिंग के लिए एक स्मार्ट नाश्ता है। जब रिमझिम के मौसम में हल्की ठंड महसूस हो रही हो, तो गर्मागर्म सूप, जैसे टमाटर या मिक्स वेज का या फिर मूंग की दाल का, न सिर्फ बहुत स्वादिष्ट लगता है बल्कि इस मौसम में इम्यूनिटी बूस्ट करने का भी यह शानदार नाश्ता है। इसके साथ मल्टीग्रेन या ओट्स ब्रेड का भी शानदार विकल्प हो सकता है।

ओट्स चीला

यह खासकर सुबह का पसंदीदा स्मार्ट ब्रेकफास्ट हो सकता है। क्योंकि ओट्स में फाइबर ज्यादा होता है, इसलिए यह सुबह की पढ़ाई करने या दफ्तर में फ्रेश और एनर्जी से भरपूर भी रखेगा। इसे बनाना भी बहुत आसान है। ओट्स को पीसकर उसमें दही तथा कटी हुई सब्जियां जैसे गाजर, शिमला मिर्च, प्याज आदि मिला लें तथा स्वाद के अनुसार हरी मिर्च और मसाले भी डालकर गर्मागर्म चीले बनाएं और चाय या कॉफी के साथ ले सकते हैं।

स्टीम्ड वेज पनीर मोमोज

यह शाम के नाश्ते का बढ़िया विकल्प है। तले हुए चाट-पकौड़े की जगह अगर स्टीम्ड मोमोज लिए जाएं तो यह हल्के भी होंगे और शानदार भी। इसमें हर्बल या ध ानिया, पुदीना की चटनी एक्स्ट्रा स्मार्ट किक देगी।

बेसन टोस्ट

बेसन टोस्ट या बेसन पैन केक भी बेहद हेल्दी नाश्ता हैं, जो सुबह के लिए भी शानदार है और शाम के लिए भी। इसमें बेसन प्रोटीन और आयरन से भरपूर होता है। साथ ही प्याज, टमाटर, हल्दी और अजवाइन की मौजूदगी, इसे स्वाद से भी भरपूर बनाती है। नॉनस्टिक तवे पर कम तेल में इसे सेंककर खाएं तो आनंद आ जायेगा।

फ्रूट-नट योगर्ट बाउल

आजकल युवा इस नाश्ते को यूं भी बहुत ज्यादा पसंद कर रहे हैं, क्योंकि यह इंस्टाग्राम फ्रेंडली दिखता है और हेल्दी तो होता ही है। इसे बनाने के लिए ग्रीक योगर्ट के साथ में कटे हुए फल जैसे सेब, केला, कीवी लें। कुछ ड्राई फ्रूट और थोड़ा शहद मिलाएं। तो बन जाएगा शानदार स्वाद और हेल्दी नाश्ता।

स्टीम्ड इडली और पुदीना चटनी

कम ऑयल और ज्यादा टेस्ट पाना है, तो साउथ इंडियन डिश खाएं, जो पेट को भारी भी नहीं करतीं। चाहे तो रागी इडली या ओट्स इडली भी बना सकते हैं।

मक्का चाट

मक्का चाट या भुट्टा चाट भी बारिश की शामों का एक बेहद परफेक्ट नाश्ता है।

बाधाएं पार कर कामयाबी की राह पर अग्रसर भारतीय महिलाएं

देश स्वतंत्र होने के बाद स्त्रियों ने खुद के लिए भी कुरीतियों, सामाजिक- पारिवारिक भेदभाव, अशिक्षा और बन्दिशों से आजाद होने का सपना देखा। बेहतर जीवन के लिए बड़े बदलाव लाने थे जिनके लिए उन्हें समाज व परिवार, सभी फ्रंट्स पर बाधाओं से जूझना पड़ा। यह जंग अपनों की संकुचित सोच, भेदभाव व शोषण, रूढ़ियों से व अपनी आवाज उठाने के लिए थी। बरसों-बरस इस संघर्ष में वे कामयाब हुईं। वहीं कुछ बाधाएं आज भी मौजूद हैं पर सफलता की राह पर भारतीय महिलाएं अग्रसर है।

आजादी के बाद अपने सपनों को हकीकत बनाने के लिए देश की आधी आबादी ने अनगिनत बाध ाओं को पार करने में कामयाबी पाई है। कितने ही अवरोधकों को लांघकर नई दुनिया रची है। आध ी सदी से ज्यादा की इस यात्रा में स्त्रियों के हिस्से आईं छोटी-छोटी रुकावटें भी बड़े बदलावों की राह में रोड़ा रहीं। समाज, परिवार और व्यक्तिगत रिश्तों-नातों, सभी फ्रंट्स पर ऐसी रुकावटों से जूझना किसी युद्ध के मोर्चे पर डट जाने से कम न था। यह ऐसी जंग थी, जो अपनों की संकुचित सोच से लड़नी थी। ऐसा संघर्ष, जो सामाजिक रूढ़ियों से करना था। मुड़कर देखने पर अहसास होता है कि इस समर में भारत की महिलाएं जी-जान से जूझते हुए कामयाब भी हुईं। सचमुच, इस रण को जीतना जीवन में इंसानी सहजता के रंग लौटा लाने जैसा था। बरसों-बरस की इस जद्दोजहद में स्त्रियों ने अनगिनत बाधाओं का सामना करते हुए अपनी लड़ाई लड़ी और मुकम्मल पहचान बनाने का हक हासिल किया। स्वतंत्र देश की एक जिम्मेदार नागरिक और जज्बातों भरा मन लिए इंसान के तौर पर अपनी मौजूदगी को हर पहलू पर सशक्त अंदाज में दर्ज करवाया।

संकुचित सोच की अड़चन

देश की स्वतन्त्रता की लड़ाई खत्म होते ही स्त्रियों ने खुद के लिए भी कुरीतियों, सामाजिक-पारिवारिक भेदभाव, अशिक्षा और न जाने कितनी ही कही-अनकही बन्दिशों से आजाद होने का सपना देखा। स्वतन्त्रता से बाद स्त्रियों के लिए सबसे बड़ी अड़चन तो समाज की पुरातनपंथी सोच ही रही। इस सोच को बदले बिना सम्मान से जीने का हक पाना

आसान नहीं था। सबलता के मार्ग पर आगे बढ़ना मुमकिन नहीं था। घर से लेकर सामाजिक दायरे तक बहू-बेटियों के लिए अनगिनत बंध ान मौजूद थे। कहते भी हैं कि बाध ाओं की तरफ इंसान का ध्यान तभी जाता है, जब उसका ध्यान अपने लक्ष्य से हटता है। महिलाओं की दृष्टि भी बदलाव के क्षितिज पर टिकी रही। जिसके चलते स्त्रियों ने अपने आंगन से लेकर समाज के परिवेश तक रूढ़िवादी सोच के खिलाफ लड़ाई लड़ीं और जीतीं। आज उच्च शिक्षित बेटियों के बढ़ते आंकड़ों की बुनियाद एक पीढ़ी की माताओं के संघर्ष का परिणाम है। कामकाजी स्त्रियों को बराबरी के मौके मिलने के हालात किसी दौर में अपने अधि ाकारों के लिए आवाज बुलंद करने वाली बड़ी पीढ़ी की मेहनत का फल है। संकीर्ण सोच की अड़चन से परे आज समानता का दर्जा पाने के खुशनुमा हालात कभी हिम्मत न हारने वाली स्त्रियों की जद्दोजहद का नतीजा है।

दुर्व्यवहार की बाधा

देश आजाद होने के बाद भी स्त्रियों के लिए मन-जीवन से जुड़े बंधन कम नहीं थे। जिनका कारण बहू-बेटियों के साथ होने वाला दुर्व्यवहार भी रहा। घरों से लेकर गली-मुहल्लों और स्कूल कालेज के परिसर तक, बदसलूकी, छेड़छाड़ और शोषण के हालात उनके लिए अनकहे प्रतिबंधों की सूची लिए थे। जिसके चलते असुरक्षा का भाव स्वतंत्र देश की आधी आबादी के लिए बेड़ियां बन गया। समय देखकर घर से निकलने की हिदायतें और बाहर नौकरी-पढ़ाई के लिए नहीं जाने की बंदिश जीवन को घेरे हुए थीं। ऐसे में अपना सम्बल खुद बनी महिलाओं ने इस दुर्व्यवहार के खिलाफ आवाज उठाते हुए राह बनाई। हालांकि सुरक्षित रहने-जीने के मोर्चे पर महिलाओं का जूझना अब भी जारी है पर स्वतंत्र भारत की नागरिक होने के नाते वे अपने अस्तित्व को सहेजने का लंबा सफर तय कर चुकी हैं। कहा जाता है बाधाएं दुख देती हैं, पर सुंदर सबक भी सिखाती हैं। दुर्व्यवहार की इसी बाधा ने देश की आधी आबादी के व्यवहार में हौसले को जगह दी। स्त्रियों ने आवाज उठाई तो सशक्त कानून भी बने और लोगों का व्यवहार भी बदला।

अनुभूतियों के अवरोध

स्वतंत्र भारत की स्त्रियों को खुलकर अपने भाव जताने का हक पाने में भी लंबा समय लगा। आजाद देश में भी बहू-बेटियों के लिए दुःख और पीड़ा की अनुभूतियां सहने की कोई सीमा नहीं थी, पर कहने के मामले में अनगिनत अवरोध बने रहे। कुछ बरसों पहले तक ऐसे वैचारिक बंधन मन की घुटन और टूटन के अहम कारण हुआ करते थे। महिलाएं इस मोर्चे पर भी मुखर हुईं। अपना दुःख-सुख कहना सीखा। शोषण को लेकर आवाज उठाई। चाहतों को खुलकर जीने का स्वर सबल हुआ। अनुभूतियों की मुखरता ने महिलाओं के व्यक्तित्व को प्रभावी बनाया। कोई बेटी जीवन साथी चुनते हुए अपनी उम्मीदों को बिना लाग लपेट कहने लगी, बहू ससुराल में अपने सम्मान के लिए बेहिचक लड़ी। हर जगह, हर उम्र की स्त्रियों ने खुलकर अपनी उलझनों और अहसासों को जताना सीखा। पीढ़ी-दर पीढ़ी जारी संघर्ष का ही परिणाम है कि बेटियों की बात सुनी जाती है। बहू की सलाहों पर गौर किया जाता है। दादी-नानी के अनुभवों को मान दिया जाता है। मां की भूमिका के मायने समझे जाते हैं और कामकाजी महिलाओं को राष्ट्र निर्माता और आर्थिक विकास की धुरी कहा जा रहा है। अहसासों की अभिव्यक्ति के अवरोधों का हटना स्त्रियों के लिए अंतरात्मा की स्वतंत्रता पाने जैसा है। कहते हैं कि 'स्वतंत्रता कुछ नहीं, बस बेहतर होने का अवसर मात्र है।' भारत की महिलाओं ने इस मौके को बखूबी समझा है। मजबूती के साथ अपने लिए आवाज उठाते हुए हर समस्या से लड़कर अपनी जगह बनाई। पीड़िता कहे जाने के हालातों से निकलकर अपने जीवन की नायिका बनने तक का यह सफर आसान नहीं रहा। स्त्रियों ने हर जद्दोजहद को जीते हुए आशाओं को पक्का धरातल देती सच्ची स्वतन्त्रता पाने के सपने देखे। आगे बढ़ने के लक्ष्य बनाये। अपनी आजादी की सुरक्षा आप करने का माद्दा रखा। हालांकि कुछ बाधाएं आज भी बनी हुई हैं पर सपनों और सफलताओं की राह पर भारतीय महिलाओं की यह कदमताल निरंतर जारी है।

हर घर तिरंगा' अभियान में तहत भारत माता की जय से गूंजा शहर

लखनऊ, (संवाददाता)। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में चल रहे हर घर तिरंगा अभियान के तहत नगर निगम की ओर से विभिन्न वार्डों में जन–जागरूकता, सांस्कृतिक कार्यक्रम और रैलियों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान, देशभक्ति की भावना और स्वच्छता व पर्यावरण संरक्षण के प्रति नागरिकों को प्रेरित करना रहा। जोन–एक में अमीरउद्दौला इस्लामिया इंटर कॉलेज में नगर निगम की टीम ने एक विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किया। इसमें तिरंगे के महत्व, इसके इतिहास और सम्मान की परंपराओं पर विस्तार से चर्चा हुई। विद्यालय के शिक्षक और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक अभियान में स्वयंसेवक के रूप में पंजीकरण कराया। इस पहल को युवाओं में राष्ट्रगौरव और नागरिक जिम्मेदारी की भावना जगाने की दिशा में अहम कदम माना गया। इसी जोन के खालसा इंटर कॉलेज, चारबाग में 300 से अधिक छात्रों के साथ एक भव्य तिरंगा रैली निकाली गई। रैली का मुख्य उद्देश्य सिंगल–यूज प्लास्टिक के खिलाफ जागरूकता फैलाना था। छात्रों ने इसके दुष्प्रभाव दर्शाने वाले बैनर हाथों में लिए और जोश और देशभक्ति से भरे इस आयोजन ने आसपास के लोगों को भी पर्यावरण हितैषी विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित किया।

जोन–सात स्थित अटल बिहारी वाजपेयी नगर निगम डिग्री कॉलेज में एक भव्य तिरंगा रैली निकाली गई, जिसमें 150 से अधिक छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। रैली के दौरान 'लखनऊ बनेगा नंबर एक और 'भारत माता की जय' के नारों से माहौल देशभक्ति से गूंज उठा। छात्रों ने सतत जीवनशैली को अपनाने और प्लास्टिक के उपयोग से बचने का संदेश भी दिया। जोन पांच के वार्ड सरोजिनी नगर द्वितीय में स्थित जेबीआर पब्लिक इंटर कॉलेज में भी हर घर तिरंगा के तहत एक रैली का आयोजन हुआ। विद्यालय के बच्चों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया और राष्ट्रीय ध्वज को लेकर पूरे जोश के साथ कदम से कदम मिलाकर चले। इस रैली ने आसपास के क्षेत्र में देशभक्ति का अद्भुत माहौल बनाया। चौक काली जी वार्ड के लाजपत नगर उच्च प्राथमिक विद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम, निबंध प्रतियोगिता और तिरंगा प्रतियोगिता आयोजित की गईं। कार्यक्रम में बच्चों ने रंगारंग प्रस्तुतियां दीं, जिसमें देशभक्ति गीत, कविताएं और नृत्य शामिल थे। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रोत्साहित करने के लिए पुरस्कार वितरण भी किया गया। इससे बच्चों में न केवल देशभक्ति की भावना बढ़ी बल्कि उनके आत्मविश्वास और रचनात्मकता को भी मंच मिला। इन सभी आयोजनों का समापन एक सामूहिक शपथ के साथ हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने प्लास्टिक मुक्त स्वच्छता का संकल्प लिया। नगर निगम की टीम ने बताया कि प्लास्टिक प्रदूषण स्वच्छता के लिए बड़ी चुनौती है और इसे रोकने के लिए प्रत्येक नागरिक का सहयोग आवश्यक है। नगर निगम लखनऊ के अधिकारियों ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान केवल तिरंगे के सम्मान का उत्सव नहीं, बल्कि नागरिक जिम्मेदारियों, पर्यावरण संरक्षण और शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने के संकल्प का भी प्रतीक है। आने वाले दिनों में ऐसे कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक लोग इस मुहिम से जुड़कर लखनऊ को देश का नंबर– एक शहर बनाने में योगदान दें।

विलय हुए 166 परिषदीय विद्यालयों में 20 लाख से होगी मरम्मत

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी में विलय हुए 166 विद्यालयों के भवनों में 20 लाख रुपये से मरम्मत कार्य कराया जाएगा। इसके लिए स्वीकृत कंपोजिट ग्रांट की आधी रकम जारी कर दी गई है। सभी खंड शिक्षा अधिकारियों (बीईओ) को विलय हुए विद्यालयों में जल्द मरम्मत कार्य शुरू कराए जाने के निर्देश दिए गए हैं। इससे वहां पर प्री प्राइमरी के अंतर्गत आंगनबाड़ी का संचालन हो सके। बीएसए के पत्र में जारी हुई रकम से विलय हुए विद्यालय भवनों में मरम्मत कार्य, वाटर प्रूफिंग और रंगाई पुताई कराने के लिए कहा गया है। खर्च का ब्योरा प्रेरणा पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश हैं। 166 प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और कंपोजिट विद्यालयों को जरूरत के हिसाब से 12500 से लेकर 25000 रुपये तक की ग्रांट दी गई है। मरम्मत के बाद इन विद्यालयों के भवनों में आंगनबाड़ी केंद्र शिफ्ट कर दिए जाएंगे।

संक्षिप्त खबरें

दिव्यांग युवाओं के लिए रोजगार मेला

लखनऊ, (संवाददाता)। मोहान रोड स्थित डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय परिसर में मंगलवार को दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए विशेष रोजगार मेला लगने जा रहा है। 12 बहुचर्चित निजी कंपनियों में 500 दिव्यांग युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य है। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के सहयोग से प्रस्तावित रोजगार मेले में मिलियंस ऑफ माइंड, एजेस फेडरल लाइफ, सेडैक,मीडिया पीवीटी एलटीडी व एमेजन कंपनियां शामिल होंगी।

69000 शिक्षक भर्ती की सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

लखनऊ, (संवाददाता)। 69000 शिक्षक भर्ती में आरक्षण मामले में मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होनी है। इस प्रकरण के निस्तारण न होने से प्रभावित अभ्यर्थियों को उम्मीद है कि मंगलवार को सुनवाई होगी और उन्हें न्याय मिलेगा। अभ्यर्थियों के आंदोलन का नेतृत्व कर रहे अमरेंद्र पटेल ने कहा कि हम अभ्यर्थी दर–दर की ठोकर खा रहे हैं। जबकि हमें हाईकोर्ट डबल बेंच ने न्याय देते हुए फैसला हमारे पक्ष में सुनाया हैं। सरकार की लापरवाही के कारण यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट में चला गया है। हमारी मांग है कि सरकार सुप्रीम कोर्ट में हमारा पक्ष मजबूती के साथ रखें। यदि सरकार ऐसा नहीं करती है तो अभ्यर्थी विधानसभा का घेराव करेंगे। उन्होंने कहा की राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट, मुख्यमंत्री के निर्देश पर गठित कमेटी की जांच रिपोर्ट और हाईकोर्ट का निर्णय, सभी हमारे पक्ष में हैं। किंतु अभी भी आरक्षित वर्ग के साथ अन्याय किया जा रहा। हमें हमारे पदों पर नियुक्ति नहीं दी जा रही है। 69000 शिक्षक भर्ती का आयोजन 2018 में किया गया था। तबसे हम न्याय के लिए भटक रहे हैं।

नगर निकाय उपचुनाव में धांधली का आरोप, समाजवादी पार्टी ने निर्वाचन आयुक्त से की शिकायत

लखनऊ, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी ने निर्वाचन आयुक्त (पंचायत एवं नगरीय निकाय) को पत्र लिखकर आरोप लगाया है कि जनपद सीतापुर के नगर पालिका परिषद मिश्रिख–नैमिषारण्य उपचुनाव में पार्टी नेताओं और समर्थकों को मतदान से रोकने और बूथों पर फर्जी मतदान कराने की घटनाएं हो रही हैं।शिकायत में कहा गया है कि समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक महोली, अनूप गुप्ता को उनके घर में नजरबंद करके मतदान करने से रोका गया, जो पूरी तरह से अलोकतांत्रिक है। आरोप है कि मिश्रिख–नैमिषारण्य उपचुनाव में बूथ संख्या–16 और 17 पर पीठासीन अधिकारी द्वारा अब तक बूथ एजेंट नहीं बनाए गए, जबकि भाजपा विधायक मिश्रिख रामकृष्ण भार्गव, भाजपा ब्लॉक प्रमुख मिश्रिख रामकिंकर पांडेय, रामगढ़ चीनी मिल चेयरमैन रामगोपाल अवस्थी, सीतापुर नगर पालिका परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि मुनेन्द्र अवस्थी और विजय भार्गव बूथों पर बैठकर फर्जी मतदान करा रहे हैं।पत्र में यह भी उल्लेख किया गया कि बूथ संख्या–3 पर बैलेट पेपर देने वाला नीली शर्ट पहने एक कर्मचारी भाजपा समर्थकों को एक के स्थान पर चार बैलेट पेपर दे रहा था। वहीं, नगर पालिका परिषद महमूदाबाद के उपचुनाव में बूथ संख्या–35 और 36 नूरपुर में पुलिस द्वारा मतदाताओं के पहचान पत्रों की जांच कर उन्हें मतदान से रोका जा रहा है।

किशोर गृहों की खस्ता हालत कितनी सुधरी हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार से मांगा जवाब

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने प्रदेश के किशोर गृहों की खस्ता हालत सुधारने के मामले में केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। कोर्ट को बताया गया कि गोंडा की ग्रामीण विकास समिति चारू को मिशन वात्सल्य के तहत धन मुहैया कराने का दावा खारिज कर दिया गया है। इसपर कोर्ट ने केंद्र सरकार के संबंधित अफसर को इसका पूरक हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 4 सितंबर को होगी। न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति जसप्रीत सिंह की खंडपीठ ने यह आदेश वर्ष 2008 से लंबित अनूप गुप्ता की जनहित याचिका पर दिया। इसमें प्रदेश के किशोर संरक्षण गृहों की खस्ता हालत में सुधार समेत समय पर फंड मुहैया कराने के निर्देश दिए जाने का आग्रह किया गया है। पूर्व में मामले की सुनवाई के समय एक अधिवक्ता ने गोंडा जिले के बालगृह (बालिका) को वित्तीय सहायता न दिए जाने से वहां रह रही किशोरियों की दयनीय हालत कोर्ट को बताई थी।

कोर्ट ने केंद्र से जवाब तलब किया इस पर कोर्ट ने राज्य सरकार के वकील से जवाब तलब किया था। सरकारी वकील ने कोर्ट को बताया कि गोंडा की समिति को धनराशि मुहैया कराने का दावा केंद्र ने खारिज कर दिया है। मामले के न्यायमित्र अधिवक्ता ने भी कहा कि समिति का दावा खारिज करने का कोई कारण नहीं दिया गया है। इस पर कोर्ट ने केंद्र से जवाब तलब किया है।

इंजीनियरिंग करने वाले छात्रों के लिए खुशखबरी, संस्थानों में इस साल भी नहीं बढ़ेगी फीसय जारी किए गए निर्देश

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के डिग्री व डिप्लोमा इंजीनियरिंग संस्थानों में इस साल भी फीस नहीं बढ़ाई जाएगी। शासन की ओर से इसके लिए निर्देश जारी कर दिए गए हैं। इससे बड़ी संख्या में नए प्रवेश लेने वाले छात्रों को बड़ी राहत मिलेगी। प्राविधिक शिक्षा विभाग की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि 2025–26 में निजी क्षेत्र की डिग्री, डिप्लोमा, सहायता प्राप्त डिप्लोमा इंजीनियरिंग संस्थानों में चल रहे पाठ्यक्रम में मानक शुल्क पूर्व की भांति ही रखने का निर्णय लिया गया है। जनहित में निजी क्षेत्र के डिग्री, डिप्लोमा, सहायता प्राप्त डिप्लोमा इंजीनियरिंग संस्थानों में चल रहे पाठ्यक्रमों के लिए पहले से चल रहे मानक शुल्क को बढ़ाने का कोई औचित्य नहीं है क्योंकि इसकी वजह से ग्रामीण और निर्धन पृष्ठभूमि से आने वाले छात्र–छात्रा प्रभावित होंगे। विभाग के संयुक्त सचिव प्रभाकर मिश्र की ओर से प्रवेश और फीस नियमन समिति को पत्र भेजकर मानक शुल्क पहले की भांति रखने के निर्देश दिए गए हैं। वह आगे की प्रक्रिया इसके अनुसार पूरी करेगा। वहीं प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल ने बताया कि पिछले चार साल से फीस नहीं बढ़ाई गई है। इस साल भी छात्रहित में फीस न बढ़ाने का निर्णय लिया गया है।

बता दें कि डिग्री व डिप्लोमा इंजीनियरिंग संस्थानों में वर्तमान में नए सत्र के लिए प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। ऐसे में यह प्रवेश लेने वाले नए छात्रों के लिए बड़ी राहत भरा होगा। सरकारी संस्थानों में पहले से ही शुल्क न बढ़ाने का निर्णय लिया गया है।

संक्षिप्त खबरें

विधानसभा और संसद सत्र को औपचारिकता से आगे बढ़ाकर बनाएं जनहित का मंच

लखनऊ, (संवाददाता)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने उत्तर प्रदेश विधानसभा के आज से शुरू हो रहे मानसून सत्र को प्रदेश और जनता के लिए सार्थक बनाने की जोरदार अपील की है। उन्होंने कहा कि भले ही यह सत्र संक्षिप्त हो, लेकिन इसे केवल औपचारिकता पूरी करने तक सीमित रखना उचित नहीं होगा। सरकार और विपक्ष, दोनों को राजनीतिक स्वार्थ, द्वेष और कटुता छोड़कर प्रदेशहित में काम करने का संकल्प लेना चाहिए।बसपा प्रमुख ने संसद के जारी मानसून सत्र की कार्यवाही पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि सत्र का शांतिपूर्ण तरीके से न चलना और ज्वलंत मुद्दों पर गंभीर चर्चा का अभाव, जनता की अपेक्षाओं के विपरीत है। इससे देश के महत्वपूर्ण विषयों पर विचार–विमर्श अधूरा रह जाता है और लोगों में चिंता का माहौल बनता है।मायावती ने विशेष रूप से अमेरिकी टैरिफ के कारण भारतीय व्यापार, अर्थव्यवस्था और विकास पर पड़ने वाले संभावित नकारात्मक प्रभाव को लेकर संसद में गहन और व्यापक विमर्श की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा सीधे देश के 'अच्छे दिन' के वादे से जुड़ा है और इसे हल्के में लेकर देश के भविष्य को दांव पर नहीं लगाया जा सकता। सरकार और विपक्ष दोनों को इस पर उचित और समुचित ध्यान देना चाहिए।इसके साथ ही बसपा प्रमुख ने मतदाता सूची, उसके पुनरीक्षण और ईवीएम से जुड़े मामलों पर देश में चल रही चर्चाओं और संदेहों को दूर करने की भी वकालत की। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र और जनहित के दृष्टिकोण से इन मुद्दों पर पारदर्शिता और स्पष्टता आवश्यक है।मायावती का यह बयान न केवल उत्तर प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर हो रही राजनीतिक गतिविधियों और संसद की कार्यप्रणाली को लेकर उनकी चिंता और सजगता को दर्शाता है।

चुनाव आयोग पर अखिलेश यादव का तीखा हमला, फास्टेस्ट कोर्ट से जांच की मांग

लखनऊ, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर कड़ा आरोप लगाते हुए उपचुनावों में वोट कटौती और धोखाधड़ी की घटनाओं को गंभीर बताया। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ने चुनाव आयोग को 18 हजार वोट कटने के संदर्भ में शपथ पत्र दिया था और उपचुनावों में हुई वोटों की लूट की भी जानकारी दी गई थी। अब चुनाव आयोग को स्पष्ट रूप से बताना चाहिए कि इस मामले में क्या कार्रवाई की गई है और दोषी अधिकारियों को निलंबित किया जाए।अखिलेश यादव ने चुनाव संबंधी मामलों की सुनवाई के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट नहीं बल्कि फास्टेस्ट कोर्ट की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि समयबद्ध और सख्त कार्रवाई ही लोकतंत्र की रक्षा कर सकती है। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि वह दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं कराना चाहती।उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग पर यह पहली बार नहीं है कि उंगली उठ रही है, पहले भी कई बार इसकी आलोचना हो चुकी है। उत्तर प्रदेश के विधानसभा उपचुनाव में भी भाजपा सरकार ने अधिकारियों के सहारे वोट की लूट की है। कुंदरकी, फैजाबाद और मीरापुर के विधानसभा उपचुनाव में खुलेआम धांधली हुई थी।

बुसान इंटरनेशनल बुद्धिज्म एक्सपो 2025 में उत्तर प्रदेश की बौद्ध विरासत का वैश्विक प्रदर्शन

लखनऊ, (संवाददाता)। दक्षिण कोरिया के सांस्कृतिक नगर बुसान के बेक्सको में 7 से 10 अगस्त 2025 तक आयोजित बुसान इंटरनेशनल बुद्धिज्म एक्सपो 2025 में उत्तर प्रदेश पर्यटन ने अपनी समृद्ध बौद्ध विरासत का भव्य प्रदर्शन कर अंतरराष्ट्रीय आगंतुकों का दिल जीत लिया। भगवान बुद्ध से जुड़े ऐतिहासिक स्थलों और बौद्ध सर्किट की अनूठी विशेषताओं को पेश करते हुए यूपी ने न केवल अपनी आध्यात्मिक पहचान को मजबूत किया, बल्कि भारत–कोरिया के सांस्कृतिक और धार्मिक रिश्तों में नई ऊर्जा भी भरी।प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री के अनुसार, चार दिवसीय इस आयोजन में एशिया के विभिन्न देशों के बौद्ध भिक्षु, पर्यटन उद्योग के प्रतिनिधि और टूर–ट्रैवल ऑपरेटर एक साथ जुटे। यूपी पवेलियन ने शांति, संस्कृति और ज्ञान की यात्रा का आमंत्रण दिया। 'बुद्धा राइस' जैसे प्रतीकात्मक उपहार, रोचक कहानियां और आकर्षक सजावट पवेलियन की खास पहचान बनीं।पवेलियन का उद्घाटन भारतीय दूतावास की प्रथम सचिव एवं हेड ऑफ चांसरी सुश्री अनन्या अग्रवाल (आईएफएस–2013) और यूपी पर्यटन प्रतिनिधि ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर कोरियाई बौद्ध धर्म के सम्मानित भिक्षु सुबुल सुनीम ने सारनाथ, कुशीनगर, कपिलवस्तु, संकिसा और श्रावस्ती जैसे प्रतिष्ठित बौद्ध स्थलों के संरक्षण और उन्नयन के लिए यूपी सरकार की सराहना की और भारत आकर तीर्थ यात्रा का निमंत्रण स्वीकार किया।

जिला अस्पताल में सुरक्षा कर्मियों के कोपभाजन का शिकार हो रहे मरीज व तीमारदार

अयोध्या। जिला अस्पताल अयोध्या के सीएमओ और अन्य विभागीय उच्चाधिकारी भले ही अस्पताल की व्यवस्था ठीक करने के लिए समय समय पर निर्देशित करते रहते है कि अस्पताल आने वाले मरीजों तीमारदारों को कोई असुविधा न हो और शासन की मंशा के अनुरूप कार्य को अंजाम दे।लेकिन स्थितियां इससे कभी कभी बदल जाती है।इसका नतीजा यह होता है कि मरीजों तीमारदारों द्वारा जिला अस्पताल अयोध्या में पर्ची कटवाने की जल्दबाजी के चक्कर में अस्पताल प्रशासन को नाकों चने चबाने पड़ जाते है। इसका जीता जगता उदाहरण जिला अस्पताल में उस समय दिखाई दिया जब जिला अस्पताल में दवा लेने के लिए पर्ची कटवाने के चक्कर में जिला अस्पताल अयोध्या की सुरक्षा में तैनात सुरक्षा कर्मियों द्वारा एक महिला को काफी अपशब्द कहते हुए पीट दिया गया।आरोप के मुताबिक इस दौरान महिला की नाक से खून तो निकल आया ही साथ ही साथ मौजूद सुरक्षा कर्मियों द्वारा पीड़ित मरीज महिला जिसे पीटा गया था उसे ही काफी अपशब्दों से नवाजा गया।इस दौरान कुछ देर तक अफरा तफरी का माहौल देखा गया।बताया जाता है कि पर्ची कटवाने के लिए महिलाओं और बच्चों को बहुत समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है और अस्पताल का स्टाफ मरीजों से हाथापाई पर उतारू हैं । बताया जाता है कि आज जिला अस्पताल में अंदर एक ही व्यक्ति पर्ची काट रहा था।जिससे कि काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।बताते है कि अपनी अपनी पर्ची कटवाने के चक्कर में काफी लोगो ने जब पर्ची कटवाने के लिए जोर आजमाइश हुई तो इस दौरान अस्पताल में तैनात महिला सुरक्षा कर्मियों द्वारा अस्पताल में पर्ची कटवाने आई एक महिला को पीट दिया गया। साथ ही साथ जिस महिला को पीटा गया था उसे ही गालियों से नवाजा भी गया।फिलहाल कुछ देर अफरा तफरी के बाद कार्य फिर शुरू हो गया।लेकिन मौजूद सभी लोगो ने इसके जिला अस्पताल प्रशासन को और अस्पताल में तैनात सुरक्षा कर्मियों द्वारा आए दिन इसी प्रकार से दुर्व्यवहार होने की चर्चा जोरो पर है।लोगो ने इसमें सुधार लाने की मांग किया है । मौजूद मरीजों तीमारदारों द्वारा कहा गया है एक महिला जो ब्लैक वर्दी पहन हुए थी उसने एक महिला को पर्ची जल्दी कटवाने के लिए मार दिया जिससे उसकी आंख नाक में खून आ गया था । यही नहीं जब पीड़ित महिला द्वारा विरोध जताया गया तो ऊपर से चोटिल महिला को ही महिला सुरक्षा कर्मी द्वारा अपशब्द कहा गया।जिसका समर्थन साथ में रहे अन्य सुरक्षा कर्मियों द्वारा किया गया और पीड़ित महिला मरीज को ही उल्टा फटकार लगाते हुए उस समय हटाया जाने लगा । स्थानीय लोगों ने जिला अस्पताल प्रशासन से इस तरह की होने वाली घटनाओं पर रोक लगाने की मांग किया है ।

राजभवन में स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान यातायात व्यवस्था सख्ती से लागू

लखनऊ, (संवाददाता)। 15 अगस्त 2025 को राजभवन में होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह को भव्य एवं सुरक्षित बनाने के लिए प्रशासन ने व्यापक यातायात प्रबंध लागू कर दिए हैं। इस दिन सुबह 8 बजे ध्वजारोहण तथा शाम 5 बजे स्वल्पाहार कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री सहित कई गणमान्य अधिकारी भाग लेंगे। ऐसे में राजभवन और आसपास के इलाकों में यातायात नियमों में कड़ाई से बदलाव किए गए हैं, जिससे आम जनता के लिए आवागमन में असुविधा हो सकती है।प्रशासन ने बंदरियाबाग चौराहा, लालबत्ती चौराहा, हजरतगंज चौराहा, रॉयल होटल चौराहा और डीएसओ चौराहा जैसे प्रमुख स्थानों पर वाहनों के मार्ग को प्रतिबंधित करते हुए वैकल्पिक डायवर्जन मार्गों का निर्धारण किया है। इन प्रतिबंधों के चलते लोग अपनी दैनिक यात्रा में बदलाव के लिए तैयार रहें। कई मार्गों पर सामान्य यातायात पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा, जबकि अन्य मार्गों पर वाहनों को गोल्फ क्लब चौराहा, एसएन ओवरब्रिज, पार्क रोड, हजरतगंज चौराहा या बर्लिंग्टन चौराहा से होकर गुजरना होगा।स्वास्थ्य या अन्य आपातकालीन स्थितियों में विशेष अनुमति के तहत एम्बुलेंस और अन्य आवश्यक वाहन प्रतिबंधित मार्गों से गुजर सकेंगे। इसके लिए ट्रैफिक कंट्रोल नंबर जारी किया गया है, जिससे जरूरतमंद संपर्क कर सकते हैं।इस तरह के व्यापक प्रबंधों से स्थानीय लोगों को यातायात बाधा और पार्किंग की कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। प्रशासन ने जनता से संयम रखने और निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की अपील की है, ताकि समारोह सुचारू और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हो सके।राजभवन के इस स्वतंत्रता दिवस समारोह को सफल बनाने के लिए किए गए इन कठोर प्रबंधों का उद्देश्य न केवल सुरक्षा सुनिश्चित करना है, बल्कि इस राष्ट्रीय पर्व को गरिमामय और अनुशासित रूप में मनाना भी है। हालांकि, इन प्रतिबंधों से जनजीवन प्रभावित होने की संभावना है, लेकिन प्रशासन ने इसे अस्थायी और आवश्यक कदम बताया है।आगामी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सुरक्षा और सुव्यवस्था को लेकर यह पहला बड़ा प्रयास है, जो लोगों के लिए

अखिल भारतीय पूर्व सैनिक संगठन द्वारा शहीद जिलजीत को श्रद्धांजलि अर्पित किया

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर अखिल भारतीय पूर्व सैनिक संगठन, जौनपुर की ओर से हम अपने वीर जवान शहीद जिलाजीत यादव को श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं, जिन्होंने देश की रक्षा करते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उनका अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा और मातृभूमि के प्रति समर्पण सदैव हम सबके लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगा। हम यह दृढ़ विश्वास रखते हैं कि उनके बलिदान को देश कभी नहीं भूल पाएगा। संगठन के सभी सदस्य और पदाधिकारी उनके परिवार के साथ इस कठिन समय में

खड़े हैं और ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि परिवार को इस अपार दुख को सहने की शक्ति प्रदान करें। इस श्रद्धांजली दिवस पर संगठन के संरक्षक कैप्टन अजीत पाण्डेय, केके सिंह, राज बहादुर पाल, लाल चन्द मौर्या, पन्ना लाल, बलराम सिंह, लाल बहादुर यादव, बनारसी यादव, तेज कुमार सिंह ,

'जनसुनवाई में लोगों को मिला सरकारी योजनाओं का लाभ'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' मंगलवार को कलेक्ट्रेट कक्ष में जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी अनुनय झा ने आमजन की शिकायतों को सुना। जन सुनवाई के दौरान कुल 69 शिकायतें प्राप्त हुईं जिनके त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश जिलाधिकारी ने सम्बंधित अधिकारियों को दिए। पात्रों का वृद्धावस्था पेंशन, निराश्रित महिला पेंशन व दिव्यांग पेंशन हेतु पंजीकरण कराया गया। 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों के मौके पर ही आयुष्मान कार्ड बनवाये गए। जनसुनवाई के दौरान 01 बुजुर्ग का आयुष्मान कार्ड बना। इस प्रकार जिलाधिकारी अनुनय झा की जन सुनवाई के दौरान अब तक 237 बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनाये जा चुके हैं। जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि अंश निर्धारण व पैमाइश के प्रकरणों में देरी न की जाये। भूमि विवाद के स्थायी समाधान के लिए थाकबंदी के

प्रकरणों का त्वरित निस्तारण कराया जाये। चकरोड पर कब्जे की शिकायतों को गंभीरता से लिया जाये। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के उप जिलाधिकारी लगातार स्थिति पर नजर रखें। प्रभावित लोगों को यथा संभव सहायता पहुँचायी जाये। एक महिला जिनके पति का देहांत हो चुका के दो बच्चों को बाल सेवा योजना से आच्छादित कराया गया। उनको इलाज के लिए मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से सहायता दिलाने की कार्यवाही प्रारम्भ करायी गयी। एक परित्यक्त महिला नीलम के दो बच्चों को स्पॉन्सरशिप योजना से आच्छादित कराया गया। जिया पाल नाम के एक निर्धन दिव्यांग का अंत्योदय कार्ड कार्ड बनाने के निर्देश जिलाधिकारी ने सम्बंधित अधिकारियों को दिए। एक शिकायत के मामले में जिलाधिकारी ने चाऊँपुर में बंधे की मरम्मत कराने के निर्देश खण्ड विकास अधिकारी हरपालपुर को दिए। काशीराम कॉलोनी में रहने वाली दो बहनें इल्मा व इसरा आज जिलाधिकारी से मिली। उन्होंने बताया कि उनके माता व पिता दोनों का देहांत हो चुका है। उनका कोई संरक्षक भी नही है। जिलाधिकारी ने प्रोबेशन विभाग को एक विधिक संरक्षक बनाते हुए दोनों बच्चियों को स्पॉन्सरशिप योजना से आच्छादित कराने के निर्देश दिए। जन सुनवाई के दौरान उप जिलाधिकारी पूनम भाष्कर व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

'जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई पोषण समिति की बैठक'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' मंगलवार को विवेकानंद सभागार में जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता में जिला पोषण समिति की बैठक हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि आँगनबाड़ी केंद्रों पर नवाचारों को बढ़ावा दिया जाये। उपस्थिति की निगरानी के लिए रुचिकर व्यवस्था बनायी जाये। पोषण ट्रैकर ऐप पर आधार व मोबाइल लिंकिंग का कार्य तेजी से पूरा किया जाये। कुछ आँगनबाड़ी केंद्रों पर होम्योपैथिक विभाग द्वारा उपलब्ध करायी गयी मेडिकल किट के

परिणामों का आंकलन किया जाये। ई–कवच पोर्टल पर फीडिंग की प्रगति बढ़ाई जाये। लापरवाह आशाओं व आँगनबाड़ी कार्यकत्रियों की जवाबदेही तय की जाये। सभी आँगनबाड़ी केंद्रों पर नल से जल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। मातृवंदन योजना के अंतर्गत गर्भवती महिलाओं की सूची रखी जाये। सूची व पात्रता के आधार पर महिला व बच्चे के लिए शासन की स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ दिलाया जाये। जिन केंद्रों पर नवाचार के अंतर्गत फल वितरण कराया जा रहा है वहाँ वितरण समय से सुनिश्चित कराया जाये। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सान्या छाबड़ा सहित सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

लापरवाही बरतने के चलते बीएसए ने प्रधानाध्यापक को किया निलंबित

अयोध्या।जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अवनीश कुमार पाण्डेय ने कार्य के प्रति लापरवाही बरतने पर कम्पोजिट विद्यालय नन्दीग्राम,शिक्षा क्षेत्र मसौधा मे प्रधानाध्यापक पर कार्यरत बदरूदुजा को निलंबित कर दिया।बताया कि निलंबित प्रधानाध्यापक को बारिश के मौसम में क्षतिग्रस्त कमरें में कक्षा 08 के बच्चों को बैठाकर शिक्षण कार्य कराते हुए पाया गया था।निलंबित प्रधानाध्यापक द्वारा उस समय न केवल उच्चाधिकारियों के आदेशों की अवहेलना की जा रही है अपितु बच्चों की सुरक्षा के प्रति लापरवाही बरतते हुए पाये गये।जिसके चलते कम्पोजिट विद्यालय नन्दीग्राम, शिक्षाक्षेत्र मसौधा में कार्यरत बदरूद्दुजा, प्रधानाध्यापक को प्रथम दृष्टया निलंबित किया गया है।उन्होंने बताया कि मामले की जांच राजेश कुमार सिंह, खण्ड शिक्षा अधिकारी मया को सौंपी गई है, और 15 दिन के अन्दर जांच कर जांच आख्या प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है।

देशभक्ति के तरानों से गूंजा सभागार पीयू में 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत भव्य म्यूजिकल कॉन्सर्ट

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में 'हर घर तिरंगा अभियान 2025' के तहत मंगलवार को आर्यभट्ट सभागार, रज्जू भइया संस्थान में भव्य म्यूजिकल कॉन्सर्ट का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि करंजाकला ब्लॉक प्रमुख सुनील यादव 'मम्मन' ने दीप प्रज्वलित कर किया। कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन युवाओं में देशभक्ति और गर्व की भावना को सुदृढ़ करते हैं।

वित्त अधिकारी आत्म प्रकाश धर द्विवेदी ने संयोजक मंडल को बधाई देते हुए स्वयं भी कई गीत प्रस्तुत कर तालियाँ बटोरीं। उन्होंने "किसी की मुस्कराहटों पे हो निसार" से हुई, जिसने श्रोताओं के मन में संवेदनशीलता और देशप्रेम जागृत किया। इसके बाद उनका गीत "माना मैं जेब से फकीर हूं, लेकिन मैं दिल से अमीर हूं" भावनात्मक स्पर्श छोड़ गया। प्रो. अविनाश पाथर्डीकर ने लोकसंगीत रंग में "का करूं सैंया, आए ना बालम" गाकर सभागार में पारंपरिक मिठास घोल दी। सुशील प्रजापति की "होंठों से छू लो तुम" प्रस्तुति ने श्रोताओं को रूहानी आनंद दिया। डॉ. रसिकेश के "ये मेरे प्यारे वतन" और "एक दिन बिक जाएगा माटी के मोल" गीतों ने दर्शकों को भावुक कर दिया। विश्वविद्यालय परिसर के विद्यार्थियों ने भी नृत्य एवं गायन प्रस्तुतियां दी। नोडल अधिकारी प्रो. राकेश कुमार यादव और सहायक नोडल अधिकारी डॉ. अनुराग मिश्र के कुशल संयोजन में आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने एक से बढ़कर एक देशभक्ति एवं प्रेरणादायी गीत प्रस्तुत किए। संयोजक डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव सहित विश्वविद्यालय के प्राध्यापक, कर्मचारी और छात्र–छात्राओं की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

भारतीय जनता पार्टी की हर घर तिरंगा फहराने की भावना जगाने के लिए शहर में तिरंगा यात्रा का आयोजन हुआ

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) भारतीय जनता पार्टी की ष्हर घर तिरंगाष फहराने की भावना जगाने के लिए आज शहर में तिरंगा यात्रा का आयोजन हुआ। हर घर तिरंगा अभियान के तहत भाजपाइयों ने भारत माता के जयकारे लगाते हुए लोगों को झंडा फहराने के लिए प्रेरित किया। जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने यात्रा कोनरावाना किया। तिरंगा यात्रा का संचालन नगर अध्यक्ष मुदित बाजपाई ने किया।

नगर के गांधी भवन से शुरू हुई तिरंगा यात्रा सोल्जर बोर्ड चौराहे से अटल चौराहा होते हुए कंपनी गार्डन स्थित अमर जवान ज्योति पर पहुंच समाप्त हुई।

जिलाध्यक्ष ने वीर महापुरषों को याद करते हुए कहा कि तिरंगा अभियान भारत की समृद्धि, सामर्थ्य और सम्मान का प्रतीक है। इसका उद्देश्य नागरिकों में राष्ट्रीय गौरव की भावना पैदा करना है। जिलाध्यक्ष ने स्वतंत्र भारत के नायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस, लोकमान्य तिलक,

लाला लाजपत राय, चंद्रशेखर आजाद, शहीद भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव, रामप्रसाद बिस्मिल और झांसी की रानी लक्ष्मीबाई, अहिल्याबाई, बाबा साहेब आंबेडकर जैसे महान क्रांतिकारियों के बलिदान को याद कर कहा कि हमारे पूर्वजों ने आजादी के लिए अपने तन मन धन को भारत मां के चरणों में न्योछावर कर दिया, उनके त्याग से मिली बेशकीमती आजादी को और उनके मूल्यों को अपने हृदय में सजों के रखना है। कहा कि भारत के समकालीन बहुत से देश आजाद हुए पर जिसने आजादी की कीमत को नहीं समझा आज वह सभी देश बर्बादी की कगार पर है। सशक्त भारत की युवा पीढ़ी को इस बात का अहसास है, और प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में युवा भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए सभी क्षेत्रों में अपने नवाचार से अमूल्य योगदान दे रहे है।

कहा भारत आजादी के 79वें वर्ष में पहुंच रहा है, विश्व में ऐसे बहुत कम देश है जिन्होंने इतने कम समय में अपनी अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर बनाते हुए देश और देशवासियों को सशक्त और सक्षम बनाया कि विश्व में उसकी अहमियत बड़ी महाशक्तियों के बराबर पहुंच गई और भारत ऐसा ही एक राष्ट्र है जिसने अंतरिक्ष से लेकर जमीन तक वह सारे आयामों को छुआ और अपने लक्ष्यों को पूरा किया।

पुलिस लाइन से शाही किले तक 13 अगस्त को प्रातः 08:00 बजे से निकलेगी ऐतिहासिक तिरंगा रैली

जौनपुर शासन के निर्देश के क्रम में जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में हर घर तिरंगा अभियान अंतर्गत तीसरे चरण की तैयारियों के संबंध में बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि हर घर तिरंगा अभियान का तीसरा चरण 13 अगस्त से 15 अगस्त 2025 तक आयोजित होना है, जिसके अंतर्गत कल 13 अगस्त 2025 को प्रातः 8:00 बजे से पुलिस लाइन से शाही किले तक ऐतिहासिक और विशाल तिरंगा रैली का आयोजन किया जाएगा, जिसमें टीडी इंटर कॉलेज, जनक कुमारी इंटर कॉलेज, अशोक इंटर कॉलेज, राजा डीएम शिया इंटर कॉलेज, मो0 हसन इंटर कॉलेज सहित विभिन्न विद्यालयों के छात्र–छात्राएं, अधिकारी कर्मचारीगण आम जनमानस सहित लगभग 25 हजार लोग प्रतिभाग करेंगे। रैली को 5 सेक्टर में बांटा गया है– रिजर्व पुलिस लाइन से थाना लाइन बाजार तक, थाना लाइन बाजार से अंबेडकर तिराहा तक, अंबेडकर तिराहा से जोगियापुर पुल तक, जोगियापुर पुल से सद्भावना पुल तक तथा सद्भावना पुल से शाही किला तक, जिसके लिए मजिस्ट्रीयल ड्यूटी भी लगाई गई है जो रैली के दौरान उपस्थित रहकर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराएंगे। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को रैली के दौरान एंबुलेंस की व्यवस्था, ओआरएस घोल, आदि की व्यवस्था कराने, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को साफ सफाई कराने, यातायात निरीक्षक को ट्रैफिक व्यवस्था हेतु प्रबंधन करने के निर्देश देने के साथ ही अन्य अधिकारियों को भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी तथा मुख्यमंत्री जी की प्रेरणा से हम शहीदों की शान में तिरंगा फहराएंगे। उन्होंने सभी से अपील किया कि इस तिरंगा रैली में प्रतिभाग कर हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाएं तथा 13 से 15 अगस्त तक अपने अपने घरों पर तिरंगा प्रदर्शित करें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 लक्ष्मी सिंह, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अम्बष्ट, नगर मजिस्ट्रेट इंद्र नंदन सिंह, परियोजना निदेशक के के पांडे, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय सहित अन्य अधिकारी कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

डीआईओएस ने अवैध रूप से संचालित चार कॉलेजों के प्रबंधकों को जारी किये नोटिस

अयोध्या। जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ पवन कुमार तिवारी ने अवैध रूप से संचालित चार कॉलेजों के प्रबंधकों को नोटिस जारी करते हुए इस संबंध में स्पष्टीकरण मांगा हुआ है।इस बात की जानकारी देते हुए जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ पवन कुमार तिवारी ने बताया कि उन्होंने प्रदीप कुमार के साथ राज माधव श्री इंटर कॉलेज जलालपुर माफी बीकापुर, बाबा सूर्यपाल सद्भभावना इंटर कॉलेज गोपीनाथपुर, भानुमति इंटर कॉलेज नैपुरा भरतकुंड तथा पीवीएस इंटर कॉलेज कादीपुर पर जाकर बारीकी से निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान जो भी कक्षाएं संचालित पाई गई वे अवैध रूप से संचालित हो रही थी। जिसको लेकर उन्होंने इन कॉलेजों के प्रबंधकों को नोटिस जारी किया है।

विद्यालय परिसर का शौचालय खराब बच्चे झेल रहे परेशानी

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर ,बक्शा स्थानीय थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत उदरेजपुर में स्थित कम्पोजिट विद्यालय उदरेजपुर विकास खंड सिकरारा जनपद जौनपुर के परिसर में बना शौचालय खष्राब बच्चें झेल रहे परेशानी। शौचालय गंदगी और कचरा से भरा पड़ा है।शौचालय में दरवाजे भी नहीं है और गंदगी–कचरा का ढेर लगा हुआ है। शौचालय सफाई मरम्मत व्यवस्था न होने से समस्या बहुत गंभीर है।बच्चों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।हर वर्ष विद्यालय मिन्टनेंश का पैसा आता है फिर भी विद्यालय परिसर में बना शौचालय सही नहीं हो पा रहा है।और शौचालय का साफ सफाई की व्यवस्था कदापि नहीं हो रही है।ऐसे में गंदगी–कचरा के बीच छोटे–छोटे बच्चों को शौचालय आने–जाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।शौचालय का एक भी दरवाजे सही नहीं है और टूटे हुए पड़े हैं।विद्यालय प्रशासन इस पर कुछ भी कहने को तैयार नहीं है। ग्राम प्रधान ने बताया कि विद्यालय परिसर में बने शौचालय बेहद खराब और उपयोग लायक नहीं है।विद्यालय मिन्टनेंश का पैसा आता है फिर भी शौचालय सही नहीं हो पा रहा है। विद्यालय में आने वाले बच्चों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।साफ सफाई को लेकर सफाईकर्मी को कहा गया इसके बाद भी शौचालय सफाई व्यवस्था सुनिश्चित नहीं हो पा रही है जो चिंताजनक है।जहां एक तरफ सरकार हर घर शौचालय मुहैया करा रही है वहीं दूसरी तरफ विद्यालय परिसर में बने शौचालय गंदगी कचरा से भरा पड़ा है। और शौचालय में लगे सामान टूटे हुए गिरे पड़े हैं।वहीं दूसरी तरफ विद्यालय परिसर में बना शौचालय बेहद खराब पडा है।उच्च अधिकारियों का ध्यान नहीं पड़ रहा है। जिससे शौचालय व्यवस्था सही नहीं हो पा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस स्थिति में बच्चों को विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है।विद्यालय प्रशासन के सामने अब यह चुनौती है कि विद्यालय में शुरू होने वाली कक्षाओं के लिए वे कैसे परिसर में बने शौचालय को सुरक्षित और उपयोग योग्य बनाएंगे। अभिभावकों में भी चिंता है कि शौचालय खष्राब की स्थिति में उनके बच्चे कैसे उपयोग करेंगे। और सुरक्षित रूप से विद्यालय पहुंचेंगे और वहां शिक्षा प्राप्त करेंगे।

ग्राहकों की विशेष पंसद बन रही नये आकर्षण कलर मे लांच हुई ग्रेफाइट ग्रे बाइक

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।इस समय ग्राहकों की हंटर नये आकर्षित कलर मे ग्रेफाइट ग्रे बाइक मे काफी पसंद बन रही है।बताते चले कि सोमवार को शहर के चावला राइडर्स प्राइवेट लिमिटेड देवकाली मे हंटर नए कलर (ग्रेफाइट ग्रे)आकर्षण रंग में लॉन्च किया गया।इस मौके पर पत्रकार राजेश श्रीवास्तव तथा डॉक्टर अजय तिवारी ने संयुक्त रूप से केक काटकर इसका शुभारंभ किया था।आलम यह रहा कि इस बाइक की अच्छी क्वालिटी होने के चलते मंगलवार को भारी संख्या में इस भाई की बुकिंग के लिए ग्राहक शोरूम पर देखे गए

'रैगिंग में संलिप्त पाने पर सख्त कार्रवाई होगी : कुलपति

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय में मंगलवार को एंटी रैगिंग सप्ताह का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह की अध्यक्षता में उद्घाटन समारोह आयोजित हुआ। कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने रैगिंग को छात्र जीवन के लिए एक गंभीर अपराध बताते हुए कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में किसी भी प्रकार की रैगिंग को सहन नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि रैगिंग के विरुद्ध सख्त कानून बने हुए हैं और यदि कोई विद्यार्थी इसमें संलिप्त पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रो. सिंह ने यह भी निर्देश दिया कि विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग में एंटी रैगिंग से संबंधित पोस्टर लगाए जाएं, ताकि सभी छात्र जागरूक हो सकें और इस प्रकार की गतिविधियों से दूर रहें। उन्होंने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर एंटी रैगिंग स्क्वॉड के सदस्यों के नाम व मोबाइल नंबर उपलब्ध रहे जिससे कोई भी पीड़ित छात्र तत्काल सहायता प्राप्त कर सके। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी आत्म प्रकाश धर द्विवेदी ने कहा कि रैगिंग जैसी कुप्रथा विद्यार्थियों के मानसिक विकास में बाधा उत्पन्न करती है और इसके उन्मूलन हेतु सभी को मिलकर कार्य करना होगा। कुलानुशासक प्रोफेसर राजकुमार सोनी ने कहा कि शिक्षण संस्थान अनुशासन और संस्कार का केंद्र होते हैं। ऐसे में रैगिंग जैसी नकारात्मक प्रवृत्तियों के लिए यहां कोई स्थान नहीं है। उन्होंने छात्रों से सकारात्मक माहौल बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. मनीष प्रताप सिंह ने बताया कि एंटी रैगिंग सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों जैसे पोस्टर प्रदर्शनी, छात्र संवाद, और निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा, जिससे छात्र रैगिंग के खिलाफ एकजुट हो सकें।

कार्यक्रम में प्रो.संतोष कुमार, डॉ प्रमोद कुमार , डॉक्टर सुनील कुमार, डॉ. इंद्रेश कुमार, डॉ राजीव कुमार, डॉ राजित राम सोनकर, डॉ.अवधेश कुमार मौर्य, डॉ. वनिता सिंह, डॉ सोनम झा, उद्देश्य सृष्टि सिंह डा. रामनरेश यादव, विपुल मिश्रा, अंशुल दुबे, सोनू कुमार यादव आदि शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित थे।

वीर सपूतो के बलिदान से देश को मिली थी आजादी : सुनील यादव मम्मन

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। विकासखंड करंजाकला परिसर से स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई ।जिसमें सैकड़ो लोगो शामिल होकर देश की एकता और अखंडता रक्षा के लिए संकल्प लिया और देशभक्ति सद्भावना के तिरंगे की आन बान बनाए रखने के लिए संकल्प लिया। करंजाकला ब्लॉक परिसर से भाजपा नेता एवं ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि सुनील कुमार यादव मम्मन के नेतृत्व में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। जिसमें सैकड़ो लोगों ने हाथों में तिरंगा लहराकर भक्ति की नई लहर पैदा कर दी। सुनील यादव मम्मन ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि देश की एकता और अखंडता की रक्षा के लिए प्रत्येक नागरिक को बड़े से बड़ा योगदान और बलिदान देने के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए । देश के आन बान तिरंगे कि शान हमेशा बनी रहे । समाज में हर व्यक्ति को राष्ट्रभक्ति के प्रति कृत संकल्पित होना चाहिए। बहुत से वीर सपूतों ने आजादी के लिए बलिदान दिया, तब जाकर देश आजाद हुआ । हम सब का उद्देश्य देश के आन बान शान के लिए कुछ कर गुजरने का जज्बा बना रहना चाहिए। तिरंगा यात्रा ब्लॉक से चलकर मेडिकल कॉलेज ,औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र होते हुए अन्य कई बाजार चट्टी चौराहा से होते हुए इंदिरा गांधी स्टेडियम पहुंचा और वही समारोह पूर्वक यात्रा का समापन हुआ । इस अवसर पर जिला क्रिड़ा अधिकारी चंदन सिंह , खंड शिक्षा अधिकारी श्रवण कुमार , शिक्षक नेता डॉ अतुल प्रकाश यादव, प्रभारी खंड विकास अधिकारी विनोद सहाय श्रीवास्तव,एडीओ पंचायत कृष्ण कुमार यादव, रमेश यादव, चंदन यादव ,जितेंद्र सिंह, उमाशंकर, रोहित कुमार मौजूद रहे।

डॉ. गोरखनाथ पटेल बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत "हर घर तिरंगा" अभियान को जन–जन तक पहुँचाने और राष्ट्रप्रेम की भावना को प्रबल करने के उद्देश्य से खंड शिक्षा क्षेत्र डोभी, जनपद जौनपुर में एक भव्य और ऐतिहासिक रैली का आयोजन किया गया। इस रैली का शुभारंभ अत्यंत उत्साह और जोश के साथ किया गया, जिसमें विद्यालय के छात्र–छात्राओं से लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और शिक्षक संघ के सदस्यों तक सभी ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. गोरखनाथ पटेल बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि "हर घर तिरंगा अभियान न केवल राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान का प्रतीक है, बल्कि यह हमारे देश की आन, बान, शान, एकता, अखंडता और संप्रभुता का भी प्रतीक है। यह हमें हमारे स्वतंत्रता संग्राम के अमर शहीदों के बलिदान की याद दिलाता है। हमें यह सुनिश्चित करना है कि 15 अगस्त के अवसर पर प्रत्येक घर पर तिरंगा लहराए और देशभक्ति का संदेश जन–जन तक पहुँचे।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में खंड विकास अधिकारी, डोभी नंदलाल कुमार उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि यह रैली एकता, अखंडता और भाईचारे का संदेश लेकर आई है, और यह हम सभी के लिए गर्व का विषय है। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी डोभी रमाकांत सिंह ने कार्यक्रम के आयोजन में अग्रणी भूमिका निभाई और सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में बाल विकास योजना अधिकारी डोभी, शिक्षक संघ के अध्यक्ष आलोक रघुवंशी, संरक्षक संजय यादव, संतोष सिंह, अरविंद यादव, सतीश यादव, आनंद सिंह,संजय सिंह, सतीश मिश्रा, प्रवीण सिंह, अनिल सिंह सहित समस्त शिक्षक, शिक्षिका शिक्षामित्र अनुदेशक व संघ की टीम ने सक्रिय सहभागिता निभाई। रैली चंदवक स्कूल से प्रारंभ होकर बाजार में अंबेडकर चौराहे तक पहुँची, जहाँ अंबेडकर जी की मूर्ति पर सभी जनप्रतिनिधियों एवं उपस्थित अतिथियों ने माल्यार्पण किया। इसके बाद रैली का समापन हुआ। रैली में प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों ने तिरंगे के रंगों से सजे परिधानों में, हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर देशभक्ति गीतों और नारों के माध्यम से सभी को प्रेरित किया। रैली का मार्गदर्शन पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षित और सुव्यवस्थित तरीके से किया गया। थानाध्यक्ष चंदवक एवं उनकी टीम ने पूरे कार्यक्रम में सुरक्षा और यातायात व्यवस्था का उत्कृष्ट संचालन किया। इस अवसर पर सभी उपस्थित जनों ने एक स्वर में संकल्प लिया कि वे हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाएंगे और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों, दुकानों और कार्यालयों पर तिरंगा फहराकर भारत माता के प्रति अपनी श्रद्धा और सम्मान व्यक्त करेंगे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।